मानव जीवन विकास समिति

मासिक पत्रिका

(अप्रैल 2024)

प्राकृतिक खेती कर रहे किसानों का ग्रुप सर्टिफिकेशन

तेंदूखेड़ा ब्लॉक में, टिकाऊ कृषि के लिए एक समग्र दृष्टिकोण अपनाया गया, जिसमें लगभग 6000 परिवार सक्रिय रूप से प्राकृतिक खेती और एनपीएम-आधारित कृषि पद्धतियों में लगे हुए थे। इनमें से, 500 किसानों ने एक समूह प्रमाणन प्रक्रिया में भाग लिया, जिसका उद्देश्य प्राकृतिक खेती मानकों और एनपीएम मानकों के पालन को मान्य करना था। इसमें क्षेत्रों में किए गए व्यापक आंतरिक ऑडिट शामिल थे, जिसमें किसानों का मूल्यांकन एनएफ और एनपीएम प्रोटोकॉल के साथ उनकी परिचितता और कार्यान्वयन के साथ-साथ उनकी कृषि गतिविधियों में एनपीएम-आधारित प्रथाओं को शामिल करने में उनकी दक्षता पर किया गया था।

एनपीएम समूह प्रमाणन प्रक्रिया को आगे बढ़ाते हुए, एन+3एफ संगठन से श्री सुनील कुमार और अखिल बॉबी को तेंदूखेड़ा ब्लॉक में किसानों का बाहरी ऑडिट करने, स्थापित मानकों का पालन सुनिश्चित करने और प्रमाणित कृषि पद्धतियों की विश्वसनीयता को और बढ़ाने के लिए आमंत्रित किया गया था। . जिसमें 18 किसानों को जिसमें 6 गांव पटेरिया माल, समदई, सेहरी, डहरा, डुकरसत्ता और धनगौर से 18 किसानों का चयन किया गया और उनका क्षेत्र भ्रमण कराया गया और एनपीएम गतिविधियों की जांच की गई।

मूंग की खेती

एमजेवीएस विशेषज्ञ टीमों की मदद से जबेरा ब्लॉक में 125 किसानों को 250 एकड़ में मूंग की खेती करने के लिए प्रेरित किया गया। उन्हें न केवल प्रेरित किया गया बल्कि 250 एकड़ भूमि पर हरे चने की खेती करने की प्रक्रिया के माध्यम से उनका मार्गदर्शन भी किया गया। इस पहल में बीज चयनए उपचार और बुआई से संबंधित एक संपूर्ण तैयारी चरण शामिल थाए जिसके बाद नियमित निगरानी और शीर्ष ड्रेसिंग और कीटों और बीमारियों के लिए निवारक उपायों जैसी उन्नत कृषि तकनीकों के कार्यान्वयन जैसे निरंतर समर्थन शामिल था।

मिश्रित खेती को बढ़ावा

विविध फसल पैटर्न को बढ़ावा देने के एक ठोस प्रयास में, **कृषि विभाग ने तेंदूखेड़ा ब्लॉक के भीतर 5 किसानों को काले चने, 6 किसानों को मूंग के बीज और 1 किसान को मसूर के बीज के वितरण की सुविधा प्रदान की।** विभिन्न प्रकार के उच्च गुणवत्ता वाले बीजों तक पहुंच प्रदान करके, इस पहल का उद्देश्य स्थानीय कृषि पद्धतियों को समृद्ध करना और बाजार के उतार-चढ़ाव के खिलाफ किसानों की लचीलापन में सुधार करना है।

फेरोमोन ट्रैप

कृषि विभाग की पहल से जबेरा ब्लॉक के 10 अलग-अलग गांवों के 15 चयनित किसानों को फेरोमोन ट्रैप वितरित किए गए। ये जाल फसलों को कीटों विशेषकर पतंगों के प्रकोप से बचाने में अमूल्य उपकरण के रूप में काम करते हैं।

बीज की रोपाई से ले कर फसलों की कटाई तक पौधों में कई तरह के कीटों का आक्रमण होता है। इन कीटों पर नियंत्रण के लिए फेरोमोन ट्रैप का इस्तेमाल एक बेहतर विकल्प है।

फेरोमोन ट्रैप के फायदे:

- **कीट नियंत्रण:** फेरोमोन ट्रैप की मदद से कीटों को आकर्षित किया जा सकता है, जिससे उन्हें ट्रैप में फंस जाने का खतरा होता है।
- **बिना कीटनाशक:** यह एक प्राकृतिक तरीका है जो कीटनाशकों के बिना कीटों को नियंत्रित करने में मदद करता है।
- **अधिक उपज:** फेरोमोन ट्रैप के उपयोग से फसलों की उपज में वृद्धि हो सकती है।

मतदाता जागरूकता

16 अप्रैल को एमजेवीएस एवं राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन के सहयोग से जबेरा ब्लॉक के ग्राम भिनैनी में आकर्षक मतदाता जागरूकता रैली का आयोजन किया गया। इस आयोजन का उद्देश्य न केवल लोकतांत्रिक प्रक्रिया में सक्रिय भागीदारी को प्रेरित करना था बल्कि नागरिक सहभागिता के महत्व को भी रेखांकित करना था। कार्यवाही के भाग के रूप में, ग्रामीणों को अपने नागरिक कर्तव्यों को बनाए रखने की शपथ दिलाई गई। राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन से ब्लॉक प्रबंधक श्री धर्मेंद्र मिश्रा, एमजेवीएस ब्लॉक समन्वयक श्री राकेश विश्वकर्मा, क्षेत्र समन्वयक श्रीमती हरिबाई गौंड और 30 एसएचजी महिलाओं की [illegible] किया।

ग्रामीण पर्यटन

होमस्टे : मानव जीवन विकास समिति द्वारा मध्यप्रदेश ग्रामीण पर्यटन विभाग की मदद से होमस्टे डेवलप करने **मध्यप्रदेश के कटनी, उमरिया, डिण्डौरी, दमोह और सीहोर जिले के 7 गांव मे 65 होमस्टे बनाने का काम किया जा रहा है।**

उमरिया जिले के मरईकला गांव मे रामकली जगदीश सिंह होमस्टे बनकर तैयार हो गया है। कटनी जिले के कोनिया गांव मे 2 हितग्राही के यहां जल्द ही होमस्टे तैयार होगा।

होमस्टे निर्माण कार्य बहुत ही तेजी गति से चल रहा है। कही पर छत का कार्य तो कही पर दिवाल का कार्य चल रहा है। लोगों की रूचि बढ़ रही है काम तेजी से बढ़ रहा है जैसे ही निर्माण कार्य पूरा होगा अतिथियों का आगमन होमस्टे मे शुरू होगा। यह कार्य से गांव मे संभावनाये है की लोगों को अपने घर पर ही रोजगार के अलावा लोगों को होटल और लॉज जैसे सुविधा मुहैया करा सकते है। यहां पर रूकने वाले अतिथियों को लोकल प्राकृतिक, धार्मिक और सांस्कृतिक गतिविधियों के साथ लोकल आर्ट का भी आनंद मिलेगा।

राष्ट्रीय बीज उत्सव कार्यक्रम

राष्ट्रीय बीज महोत्सव कार्यक्रम - नागपुर (महाराष्ट्र)

सहभागी मानव जीवन विकास समिति कटनी (म.प्र.)

निम्न बीजो का प्रदर्शनी लगाई गई -

- धान (19 प्रकार की)
- गेंहू (7 प्रकार की)
- मक्का (लाल, सफेद, पीला)
- मिलेट (कोदो, कुटकी, रागी, ज्वार)
- दलहन (अरहर, मसूर, उड़द, मूंग, चना)
- तिलहन (सरसो, अलसी, तिल)
- सब्जी (9 प्रकार की)

लोकल बीजों को मिलेगा बढ़ावा :

- प्राकृतिक खेती के साथ साथ अब लोकल देशी बीजों को भी प्राथमिकता मिल रही है।
- हाई ब्रिड की अपेक्षा देशी और लोकल बीज भी अधिक उत्पादकता देगी।
- हाई ब्रिड बीज और रासायनिक खाद के लिए बाजार पर निर्भरता कम होगी।
- बिलुप्त हो रहे प्रजाति का बड़ी संख्या में खेती देखने को मिलेगी।

धन्यवाद!

मानव जीवन विकास समिति

पता : ग्राम बिजौरी, पोस्ट मझगवां (बरही रोड), जिला कटनी म.प्र. पिन कोडः 483501
मो.नं. 9425157561
Email : mjvskatni@gmail.com
website : www.mjvs.org ,
Blogger - https://mjvskatni.blogspot.com/
Twitter - https://twitter.com/mjvs_katni_mp
Facebook - https://www.facebook.com/ngomjvskatni/
Instagram - https://www.instagram.com/manavjeevanvikassamiti/
Youtube- https://www.youtube.com/channel/UCiEnoE5h_oePCKrsea7rLWQ
Linkedin – https://www.linkedin.com/in/manav-jeevan-vikas-samiti-0b7559266